हाथियों को डराने का नया तरीका

अफ्रीकी किसानों ने हाथियों से अपनी ज़मीन और फसलों को बचाने के लिए क्या-क्या नहीं किया, कभी बागड़ बनाई, तो कभी तेज़ रोशनी दिखाई और यहां तक कि रबर से बने जूतों के तले तक जलाए लेकिन उन्हें कामयाबी नहीं मिली। किसान अपनी फसलों को बचाने के लिए अभी तक प्रयासरत हैं। और इस प्रयास से एक सवाल पैदा हुआ है।

अब इस सवाल का जवाब खोज निकाला गया है। ऑक्सफोर्ड युनिवर्सिटी में कार्यरत ल्यूसी किंग का कहना है कि मधुमक्खियों की भिनभिनाती आवाज़ से यह काम हो सकता है। किंग को किसी ने बताया था कि जहां मधुमक्खियों का छत्ता होता है वहां हाथी कभी नहीं जाते हैं। उन्हें किसी ने यह भी बताया था कि एक बहुत बड़े हाथी को मधुमक्खी ने काट लिया था, तो वह पूरी तरह पगला गया था। किंग ने इस विचार को आज़माने पर विचार किया।

उन्होंने केन्या के बफेलो स्प्रिंग तथा सम्बुरो नेशनल रिजर्व में हाथियों के 17 झुण्डों को मधुमक्खी की आवाज़ की 4 मिनिट की रिकार्डिंग सुनाई। इसके लिए किंग ने एक कृत्रिम पेड़ के तने में इस आवाज़ की रिकार्ड स्पीकर पर बजाई तो 17 में से 16 झुण्ड इस पेड़ से दूर ही रहे। कुछ झुण्ड तो इन आवाज़ों की जगह से 100 मीटर की दूरी पर रुक गए। औसत दूरी 64 मीटर थी।

किंग कहती हैं कि मधुमक्खी की आवाज़ तो अच्छे से काम कर रही है, लेकिन इसको चलाने के लिए जो साधन लगते हैं वे महंगे हैं। उनका कहना है कि ज़्यादा सस्ता तरीका यह होगा कि हाथियों को भगाने के लिए किसान अपने यहां सचमुच के मधुमक्खियों के छत्ते लगाएं। इससे वे हाथियों को तो भगा ही सकते हैं साथ ही शहद बेचकर अपनी आमदनी भी बढ़ा सकते हैं। इसके अलावा मधुमक्खियां परागण में भी मददगार होंगी। वे इस तरह के प्रयोग कर भी रही हैं। किसानों के लिए यह मीठे फायदे का सौदा रहेगा। ***(स्रोत फीचर्स)***